डॉ सुचित्रा देवी

शिक्षक शिक्षा विभाग

एन ए एस कॉलेज

एम एड थर्ड सेमेस्टर

पेपरOC12A

यूनिट फोर्थ

रिसोर्स मैनेजमेंट इन स्कूल एट सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी लेवल

कम्युनिटी इंवॉल्वमेंट इन इफेक्टिव इंप्लांटेशन ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी

विद्यालय एवं समुदाय के सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्तर पर इंवॉल्वमेंट को विकसित करने के उपाय

1. विद्यालय पाठ्यक्रम समाज की आवश्यकताओं के अनुकूल हो अतः वह केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो बल्कि उसके समाज की आकांक्षाओं एंव उपयोगिता का ध्यान रखा गया हो।

2. विद्यालय को प्रोढ शिक्षा, मनोरंजन, खेलकूद आदि प्रवृतियों का केन्द्र बनाया जाना चाहिये। विद्यालय भवन खेल के मैदान, पुस्तकालय, वाचनालय तथा अन्य साधन सुविधाओं का विद्यालय व समुदाय की सम्मिलित प्रवृतियों तथा प्रोढ शिक्षा के कार्य हेतु उपयोग किया जाना चाहिये।

3. विद्यालय को समाज के निकट जाने का प्रयास किया जाना चाहिये। विद्यालय के छात्रा एवं अध्यापक स्थानीय समुदाय के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर विद्यालय समुदाय में सहयोग स्थापित करने में सहायता कर सकते हैं।

4. विद्यालय में अध्यापक अभिभावक संघ की स्थापना की जानी चाहिए इनकी बैठक भी समय समय पर बुलाई जानी चाहिये। इससे विद्यालय को संघ के माध्यम से बच्चों की प्रगति के विषय में बताना चाहिये। इससे शिक्षक और अभिभावक छात्रों की प्रगति एवं समस्याओं के समाधान को खोज सकते है तथा आपस में विचार विमर्श कर सकते है।

5. समुदाय को विद्यालय के निकट ले जाने का प्रयास भी किया जाना चाहिये। विद्यालय अपनी प्रबंधक कमेटियों में समुदाय के सदस्यों को उचित स्थान प्रदान करे। इससे समुदाय के सदस्यों का विद्यालय के प्रति उत्तरदायित्व बढेगा और सहयोग विकसित होगा।

6. विद्यालय समुदाय के ऐतिहासिक धार्मिक, वैज्ञानिक तथा शैक्षिक स्थलों पर विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण ले जाने का प्रबंध करें। इससे बच्चों को समुदाय के विषय में ज्ञान प्राप्त होगा कि समाज हमारे लिए क्या सुविधायें प्रदान कर रहा है।

7. सामुदायिक सेवा कार्यो द्वारा भी विद्यालय समुदाय बढ़ाने चाहिये। सामुदायिक विकास या सेवा कार्यो की विभिन्न प्रयोजनाओं के रूप् में प्रभावशाली बनाने का प्रयास किया जाना चाहिये। विद्यालय सामुदायिक हित के लिए सार्वजनिक

सफाई, वृक्षारोपण पेयजल की व्यवस्था, प्रौढशिक्षा इत्यादि प्रायोजनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

8. सामुदायिक सर्वेक्षण द्वारा समुदाय की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर उनके निराकरण के उपाय सुझाये जा सकते हैं। सर्वेक्षणों द्वारा विद्यालय समुदाय के संबंध सुदृढ़ होते हैं तथा एक दूसरे को समझने का मौका मिलता है।

9. विद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) (एन.सी.सी) (स्काऊटिंग) इत्यादि कैंप लगाकर भी समुदाय में व्याप्त असंगितों को दूर कर सके उसे सहयोग प्रदान कर सकता है।

10. विद्यालय समुदाय के पिछडे वर्ग के बच्चों को बुक बैंक के माध्यम से मुफत पुस्तकें उपलब्ध करा सकता है। उन्हें छात्रावृत्तियॉ शुल्क छूट देकर शिक्षा के अवसर प्रदान कर सकता है।

11. विद्यालय रक्त् कोष के लिए छात्रों के माध्यम से रक्तदान का अभियान चलाकर समाज की सेवा करने का प्रयास कर सकता है।

12. राष्ट्रीय संकट के समय विद्यालय विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित कर समुदाय में देश की भावना पैदा कर सकता है।

13. समुदाय के ऊपर आई दैवी विपत्तियॉ का सामना करने के लिये विद्यालय आर्थिक सहायता की व्यवस्था कर सकता है। विद्यालय के बच्चें चनदा इकट्ठा करने में सहायता कर सकते हैं।

14. समुदाय विद्यालय को अच्छा वातावरण प्रदान करके बच्चों के विकास में सहायता कर सकता है। अभिभावकों का यह कर्तव्य है कि वे समय समय पर बच्चों को विद्यालय के सभी कार्यो में भाग लेने की प्रेरणा दें, उनका सहयोग करें उनके लिये आवश्यक साधन एवं उपसाधन जुटायें।

15. विद्यालयों को विभिन्न व्यवस्थाओं एवं उद्योगों की शिक्षा देनी चाहिये जिसे पाकर समाज के सदस्य आर्थिक क्षेत्रा में सफलता प्राप्त कर सके। समुदाय को विभिन्न व्यवसायों की शिक्षा देने के लिये विद्यालय को आर्थिक रूप् से सहायता देनी चाहिये।

16. विद्यालय को समय समय पर खेलकूद एवं विभिन्न साहित्यक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिये और इन अवसरों पर समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित करना चाहिये।

अन्त में हम कह सकते है कि विद्यालय एवं समुदाय के आपसी सहयोग पर ही समुदाय और विद्यालय का अस्तित्व सुरक्षित है। इसके लिये अध्यापक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। यदि अध्यापक चरित्रावान होंगे, अपने विषय के विशेषज्ञ होंगे, बच्चों के प्रति उनका व्यवहार सहानुभूतिपूर्ण होगा और वे समुदाय के हित को भी ध्यान में रखेंगे तो समुदाय के सदस्य स्वयं ही उनकी आकर्षित होंगे और उनका सहयोग करेंगे। इसके साथ ही अध्यापक को समुदाय की कठिनाईयों को समझकर उन्हें दूर करने के लिये विद्यालयों की सहयोग प्रदान करना चाहिये।

जॉन डीबी के शब्दों में उत्तम और सबसे बुद्धिमान माता–पिता जो कुछ बच्चें के लिये चाहते हैं वही समुदाय अपने सभी बच्चों के लिये चाहेगा।

स्कूल और समुदाय में उद्देश्य समान है।

दोनों का मुख्य उद्देश्य बच्चे के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं को विकसित करता है। बच्चों का विकास ही समुदाय का विकास है। यह बहुत आवश्यक है कि स्कूल अच्छी प्रकार से कार्य करें और ऐसा करते हुए समुदाय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखें।

समुदाय का महत्व

समुदाय का महत्व इस तथ्य से समझा जा सकता है कि स्कूल विद्यार्थियों के जीवन और जिस समुदाय से वे संबंध रखते है, उनसे घनिष्ट संबंध रखता है। नहीं तो स्कूल कभी भी अपने विद्यार्थियों को बाहर भेजने, समाज का सामना करने और उनमें

आवश्यक समायोजन करने में सफल नहीं होगा और न ही एक सामाजिक समुदाय होने के नाते इसका समाज पर इतना महत्वपूर्ण प्रभाव पडेगा जितना कि पडना चाहिये। वास्तव में स्कूल और समुदाय शिक्षा के दो साधन है। दोनों का बच्चे के उभरते हुए व्यक्तित्व के विकास के प्रभाव होता है। समुदाय सेवाओं का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना बढ़ाता है। यह हमें सहयोग में काम करने का प्रशिक्षण देती है। ये सेवायें एक दूसरे में एकता और एकीकरण की भावना विकसित करती है। ये सेवायें अच्छे नागरिक तैयार करती है और अच्छे नागरिक ही एक सुदढ संगठित राष्ट्र का निर्माण करते है।

स्त्रोत्र

विकिपीडिया

विभिन्न इंटरनेट साइट्स

कोर्स से संबंधित किताबें